IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.67
Volume 5, Issue 2, February 2025

मानव संसाधन विकास एवं महिला सशक्तिकरण का एक अध्ययन

डॉ. सुनीता जैन

सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र विभाग

स्व. दिलीप भटेरे शासकीय महाविद्यालय किरनापुर बलाघाट (म.प्र.)

शोध सारांश :–

प्रस्तुत शोध में अनेक प्रकार की शासन व्यवस्थाओं तथा प्रशासनिक प्रणालियों में 'मानव विकास' को सर्वोच्च स्थान प्रदान किया जाता है। आधुनिक लोक कल्याणकारी राज्यों का दर्शन, चिन्तन तथा प्रयास, पूर्णतः मानव संसाधन विकास को समर्पित है क्योंकि मनुष्य के सर्वांगीण विकास के बिना राज्य के विकास या सरकार के अस्तित्व की कल्पना करना व्यर्थ है। जैसा कि पूर्व पृष्ठों पर बताया जा चुका है कि मानव संसाधन विकास की अवधारणा व्यावहारिक रूप में दो स्तरों पर प्रवर्तित है। भारतीय इतिहास में महिलाओं को पूजनीय माना गया है, हम भारतवासी महिलाओं को हमेशा से एक ऊंचे दर्जे का सम्मान देते थे। ग्रंथों और पुराणों में इस चीज का उल्लेख मिलता है कि भारत में हमेशा से देवताओं के साथ साथ देवियों को भी पूजा जाता है और यह परम्परा सदियों से चली आ रही है। 90 के दशक के बाद भारत की स्थिति में काफी सुधार देखने को मिला है, महिलाएं आज घरों से बाहर पढ़ने के लिए जाती हैं और हर क्षेत्र मे अपना नाम रोशन करती हैं। जैसे आज महिलाएं मेडिकल, इंजीनियरिंग, शिक्षा, सुरक्षा आदि के क्षेत्र मे जा कर हर वह काम कर रही हैं।

मुख्य शब्द – महिला, सशक्तिकरण, मानव संसाधन, विकास, सरकार,, प्रशासन आदि।